मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG–002

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र

(सी.वी.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

सी.वी.जी.-002 : वैदिक अंकगणित

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* **दो** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

भाग—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $3 \times 20 = 60$

   (i) अंकगणित को परिभाषित करते हुए इसके प्रादुर्भाव का वर्णन कीजिए।

   (ii) 115 संख्या की 'एकाधिकेन पूर्वेण' सूत्र की पद्धति से वर्ग-प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए।

   (iii) 'ऊर्ध्वतिर्यग्भ्याम्' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

(iv) 'शून्यं साम्यं समुच्चये' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

भाग—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. सभी **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4 \times 10 = 40$

(i) $10000 - 3765 =$ को 'निखिलं नवतः चरमं दशतः' सूत्र से हल कीजिए।

(ii) आर्यभट्ट के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का उल्लेख कीजिए।

(iii) ब्रह्मगुप्त आचार्य के अंकगणित अध्ययन क्षेत्र में योगदान का वर्णन कीजिए।

(iv) वैदिक अंकगणित के क्षेत्र में आचार्य श्रीनिवास रामानुजन के योगदान का विवरण दीजिए।

× × × × ×